Issue-12; Vol.01, Sept. 2021 Impact Factor: 6.003 (I2OR)
ISSN–2231-1130
VEETHIKA

उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों की स्थिति का समालोचनात्मक अध्ययन

जैनेन्द्र सिंह
शोध छात्र, शिक्षक–शिक्षा विभाग
एस०एस० (पी०जी०) कॉलेज, शाहजहाँपुर
डॉ० महेन्द्र कुमार वर्मा
(सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, शिक्षक–शिक्षा विभाग
एस०एस० (पी०जी०) कॉलेज,शाहजहाँपुर

शोध–सार

संसाधन के समुचित रूप से होने पर ही विद्यालय का उद्‌देश्य पूरा हो सकता है। संसाधनों से तात्पर्य मुख्यतया विद्यालय में उपलब्ध सभी प्रकार के भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से है। यदि इन संसाधनों का समुचित और प्रभावी रूप से प्रयोग किया जाय तो निश्चित ही विद्यालय के उद्‌देश्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। विद्यालय में उपलब्ध संसाधन की स्थिति को जानने के लिए स्वनिर्मित अवलोकन अनुसूची का निर्माण किया गया और शोध प्रविधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। जिसके अर्न्तगत चयनित विद्यालयों में जाकर आंकड़े एकत्र किया गया एवं आंकड़ों का विश्लेषण करके परिणाम ज्ञात किया गया। इस प्रकार विद्यालयों मे उपलब्ध संसाधनो को जानने के पश्चात ही हम इनका सही और प्रभावी प्रयोग कर सकते है। इसलिए इस शोध में उत्तर प्रदेश के राज्य जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द : *उत्तर प्रदेश, विद्यालय, संसाधन।*

प्रस्तावना

विद्यालय में छात्रों को सीखने के सभी अवसर मिले। यह तभी संभव है जब संसाधनों का प्रबंधन प्रभावी ढंग से सीखने के लिए किया जायेगा। संसाधन मुख्यतया दो प्रकार के होती है– भौतिक संसाधन और मानवीय संसाधन। भौतिक संसाधनों में विद्यालय भूमि, भवन, प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं वाचनालय, स्मार्ट क्लास, प्रसाधन, पेयजल, फर्नीचर और विद्युत व्यवस्था आदि सम्मिलित है। मानवीय संसाधनों मे शिक्षक, छात्र और अभिभावक सम्मिलित होते हैं। इस प्रकार यदि विद्यालय के संसाधनों का समुचित प्रयोग किया जाय तो निश्चित ही विद्यालय के उद्‌देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

उद्‌देश्य कथन

उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धतिविद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों की स्थिति का समालोचनात्मक अध्ययन।

अध्ययन के उद्‌देश्य

1. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में विद्यालय से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।
2. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में छात्रों से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।
3. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में शिक्षकों से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।
4. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में शिक्षण से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।
5. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में पुस्तकालय से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।

6. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में छात्रावास से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।
7. उत्तर प्रदेश के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में खेलकूद से सम्बन्धित संसाधनों की स्थिति का अध्ययन करना।

मुख्य शब्दों का परिभाषीकरण

1. **उत्तर प्रदेश :** उत्तर प्रदेश भारत का महत्वपूर्ण राज्य है। जनसंख्या की दृष्टि से यह सबसे बड़ा राज्य व क्षेत्रफल की दृष्टि से चौथा बड़ा राज्य है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। प्रदेश में वर्तमान में 75 जिले और 18 मंडल है। प्रदेश का सबसे पूर्वी जिला बलिया, पश्चिमी जिला शामली, उत्तरी जिला सहारनपुर और दक्षिणी जिला सोनभद्र है।
2. **जनजाति विकास विभाग :** इस विभाग की स्थापना गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले जनजाति परिवारों को सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से उन्नत करने हेतु किया गया है।
3. **राजकीयआश्रम पद्धति विद्यालय :** राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय से अभिप्राय समाज कल्याण विभाग एवं जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित ऐसे विद्यालयों से है जो विशेष वर्ग एवं गरीबी रेखा के नीचे के बालकों एवं बालिकाओं के लिए स्थापित किये गये हैं।

सीमांकन

प्रस्तुत शोध कार्य में जनजाति विकास विभाग द्वारा संचालित एवं माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों को ही सम्मिलित किया गया है।

जनसंख्या

उत्तर प्रदेश में जनजाति विकास विभाग द्वारा 9 राजकीय आश्रम विद्यालयों का संचालन लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, श्रावस्ती, महाराजगंज, बहराइच और बिजनौर जिलो में किया जा रहा है।

न्यादर्श

इन समस्त विद्यालयों में से केवल केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयोंको सम्मिलित किया गया है। न्यादर्श चयन हेतु सोद्देश्य विधि का प्रयोग किया है। इसमें न्यादर्श का चयन एक निश्चित उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाता है। चयनित विद्यालयों की सूची तालिका संख्या 2 में प्रदर्शित है।

तालिका संख्या 1– चयनित विद्यालयों की सूची

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	जनपद
1.	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय	सिरसिया, श्रावस्ती
2.	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय	बेलापरसुआ, लखीमपुरखीरी
3.	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय	चन्दनचौकी, लखीमपुरखीरी
4.	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय	छाउछ, लखीमपुरखीरी
कुल विद्यालय		**4**

शोध प्रक्रिया

विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों की वर्तमान स्थिति को जानने हेतु प्रस्तुत अनुसंधान विवरणामक अनुसंधान के अर्न्तगत सर्वेक्षण पद्धति पर आधारित है। जिसके आधार पर तथ्यों व आंकड़ों को एकत्रित कर उनका सामान्यीकरण, वर्गीकरण व सारणीयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत अनुसंधान में आंकड़े संग्रहण हेतु स्वनिर्मित अवलोकन अनुसूची उपकरण का प्रयोग किया गया है।

परिणाम एवं व्याख्या

उद्देश्य 1

तालिका संख्या 2

क्र सं	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया	बेलापर सुआ	चन्दनचौकी	छाउछ
1	विद्यालय का वर्ग	बालक वर्ग	बालक वर्ग	बालिक वर्ग	बालक वर्ग
2	विद्यालय क्षेत्रफल	10112. 445 वर्ग मीटर	7953 वर्ग मीटर	30,351 वर्ग मीटर	16,807 वर्ग मीटर
3	इंटरनेट उपलब्धता	नहीं	नहीं	नहीं	है

तालिका संख्या 2 के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि चयनित समस्त विद्यालय सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त है। विद्यालयों चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी का क्षेत्रफल 30,351 वर्ग मीटर, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी 7953 वर्ग मीटर, छाउछ लखीमपुर खीरी 16,807 वर्ग मीटर और सिरसिया श्रावस्ती 10112.445 वर्ग मीटर है। चन्दनचौकी विद्यालय बालिका वर्ग के लिए है, शेष विद्यालय बालक वर्ग के लिए है। इस समस्त विद्यालयों में उपयुक्त चारदीवारी एवं सभी विद्यालयों में विद्युत की समुचित व्यवस्था है। सीसीटीवी, पेयजल और शौचालय की समुचित व्यवस्था चयनित समस्त विद्यालयों में उपयुक्त है।

उद्देश्य 2
तालिका संख्या 3

क्र स	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया श्रावस्ती	बेलापर सुआ	चन्दन चौकी	छाउछ
1	कुल कार्यरत शिक्षक	13	08	10	13
2	नियमित शिक्षक	0	01	01	01
3	संविदा शिक्षक	13	07	09	12

तालिका संख्या 3 के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि चयनित विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी में 292, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी में 231, छाउछ लखीमपुर खीरी में 285 और सिरसिया श्रावस्ती में 216 है। चयनित समस्त विद्यालयों में मानक के अनुरूप छात्रों का नामांकन नही है।

उद्देश्य 3
तालिका संख्या 4

क्र स	संसाधनों से सम्बन्धित कथन		राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
			सिरसिया	बेलापर सुआ	चन्दनचौकी	छाउछ
1	अध्ययनरत कुल छात्र		216	231	292	285
2	कक्षा में पंजीकृत छात्र	6	35	73	69	70
		7	35	37	37	34
		8	35	37	36	35
		9	45	38	40	40
		10	27	27	36	39
		11	27	15	39	37
		12	22	6	34	30

तालिका संख्या 4 के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि चयनित समस्त विद्यालयों में मानक के अनुरूप शिक्षक नही है। बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी में कोई भी प्रवक्ता कार्यरत नहीं है। शासन के मानकानुसार प्रत्येक विद्यालय में 10 प्रवक्ता तथा 10 सहायक अध्यापक होने चाहिए। कार्यरत नियमित शिक्षकों की संख्या चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी तथा छाउछ लखीमपुर खीरी में 01 और सिरसिया श्रावस्ती में 00 है इसी प्रकार कार्यरत संविदा शिक्षकों की संख्या चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी में 09, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी में 07, छाउछ लखीमपुर खीरी में 12 और सिरसिया श्रावस्ती में 13 हैं। चयनित समस्त विद्यालयों में शिक्षक कक्ष एवं शिक्षक कक्ष में शिक्षकों के बैठने के लिए फर्नीचर की समुचित व्यवस्था है। शिक्षक कक्ष की स्वच्छता की स्थिति उत्तम है और शिक्षक कक्ष में पीने के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था है।

उद्देश्य 4
तालिका संख्या 5

क्र सं	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया	बेलापर सुआ	चन्दनचौकी	छाउछ
1.	पुस्तकालय की व्यवस्था	है	है	है	है
2.	पुस्तकालय हेतु पृथक कक्ष	है	है	है	है
3.	पुस्तकालय का नियमित प्रयोग	होता है	होता है	होता है	होता है
4.	पुस्तकों के अतिरिक्त पत्र पत्रिकाओं की व्यवस्था	है	है	है	है
5.	वाचनालय की उपलब्धता	नही है	नही है	नही है	नही है

तालिका संख्या 5 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि विद्यालयों में कक्षाओं का संचालन कक्षा 6 से कक्षा 12 तक है। इन समस्त विद्यालयों में शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। चयनित विद्यालयों सिरसिया श्रावस्ती में प्रत्येक कक्षा में केवल एक वर्ग है तथा समस्त विद्यालयों में समस्त कक्षाओं में केवल एक वर्ग है। कक्षा कक्ष का आकार उत्तम, कक्षा कक्ष में प्रकाश एवं संवातन की व्यवस्था, कक्षा में विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था तथा कक्षा में श्यामपट्ट की स्थिति एवं साफ–सफाई की व्यवस्था भी उत्तम है। प्रत्येक विद्यालय में स्मार्ट क्लास की उपलब्धता है और स्मार्ट क्लास का नियमित उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यालय में कम्प्यूटर की उपलब्धता है और कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था कक्षा 6 से कक्षा 9 तक है। चयनित समस्त विद्यालयों में शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता है।

उद्देश्य 5
तालिका संख्या 6

क्र स	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया	बेलापर सुआ	चन्दनचौकी	छाउछ
1	विद्यालय का संचालन	कक्षा 6 से 12	कक्षा 6 से 12	कक्षा 6 से 12	कक्षा 6 से 12
2	शिक्षण माध्यम	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी
4	उपलब्ध कक्ष	17	20	23	10
5	कितने कक्ष में कक्षाएं चलती है	09	08	09	08
6	कक्षा कक्ष का आकार	उत्तम	उत्तम	उत्तम	उत्तम

तालिका संख्या 6 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि विद्यालयों चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी, छाउछ लखीमपुर खीरी और सिरसिया श्रावस्ती के विद्यालय में पुस्तकालय की उचित व्यवस्था है। पुस्तकालय में पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्य विषयोत्तर पत्र पत्रिकाओं की व्यवस्था है। इन विद्यालयों में पुस्तकालय के खुलने और बन्द होने का समय विद्यालय के खुलने और बन्द होने के समय के अनुरूप ही 10:00 से 4:00 बजे तक है। इन समस्त विद्यालयों में पुस्तकालय हेतु पृथक कक्ष की व्यवस्था है परन्तु पुस्तकालय कक्ष का आकार मानक के अनुरूप नही है। चयनित समस्त विद्यालयों में पुस्ताकलय के अतिरिक्त वाचनालय की उपलब्धता नहीं है।

उद्देश्य 6

तालिका संख्या 7

क्रस.	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया श्रावस्ती	बेलापरसुआ लखीमपुरखीरी	चन्दनचौकी लखीमपुरखीरी	छाउछ लखीमपुरखीरी
1	खेलकूद के लिए मैदान	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है
2	खेलकूद के सामान का रखरखाव	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है
3	खेलकूद के सामग्री की उपलब्धता	है	है	है	नही है
4	योग्य प्रशिक्षक की व्यवस्था	नही है	है	नही है	है
5	इनडोर खेल	कैरम, चेस, लूडो	टेबिलटेनिस, बैडमिंटन	कैरम,चेस,जिम	बैडमिंटन,कैरम, टेबल टेनिस
6	आउटडोर खेल	वॉलीबॉल, कबड्डीखो–खो,दौड़, जिमनास्टिक,	वॉलीबॉल,कबड्डी फुटबॉल एथलेटिक्स	बैडमिंटन, हॉकी, वॉलीबॉल	वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, क्रिकेट

तालिका संख्या 7 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि विद्यालयों चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी, छाउछ लखीमपुर खीरी और सिरसिया श्रावस्ती के विद्यालय में छात्रावास की उपयुक्त व्यवस्था है। बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी में छात्रावास अधीक्षक नही है शेष समस्त विद्यालयों में छात्रावास अक्षीक्षक नियुक्त हैं। छात्रावास में छात्रों के रहने की उपयुक्त व्यवस्था, साफ–सफाई की स्थिति उचित, छात्रों के सुरक्षा की स्थिति उत्तम, प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा, छात्रों के समस्याओं के निराकरण की व्यवस्था, मनोरंजन कक्ष एवं रसोई घर की सुविधा उपलब्ध है।

उद्देश्य 7

तालिका संख्या 8

क्रस	संसाधनों से सम्बन्धित कथन	राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय			
		सिरसिया	बेलापरसुआ	चन्दन चौकी	छाउछ
1.	छात्रावास की व्यवस्था	है	है	है	है
2.	छात्रावास अधीक्षक	है	नही है	है	है
3.	छात्रों के रहने की व्यवस्था	है	है	है	है
4.	छात्रावास की साफ सफाई	उत्तम	उत्तम	उत्तम	उत्तम
5.	छात्रावास में सुरक्षा	उत्तम	उत्तम	उत्तम	उत्तम
6.	प्राथमिक चिकित्सा	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है
7.	समस्याओं के निराकरण की व्यवस्था	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है
8.	रसोईघर की व्यवस्था	है	है	है	है
9.	अतिथि कक्ष की व्यवस्था	नही है	नही है	नही है	नही है
10.	मनोरंजन कक्ष की व्यवस्था	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है	उपलब्ध है

तालिका संख्या 8 के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि विद्यालयों चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी, बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी, छाउछ लखीमपुर खीरी और सिरसिया श्रावस्ती के विद्यालय में खेलकूद के लिए पर्याप्त मैदान है। इन विद्यालयों में खेलकूद के सामान के रखरखाव की समुचित व्यवस्था है साथ ही इन विद्यालयों में खेलकूद की समाग्री छात्रों को सर्वसुलभ है तथा विद्यालयों में खेलकूद के लिए अतिरिक्त समय निर्धारित है। विद्यालयों चन्दनचौकी लखीमपुर खीरी एवं सिरसिया श्रावस्ती के विद्यालय में योग्य खेल प्रशिक्षक नहीं हैं। परन्तु बेलापरसुआ लखीमपुर खीरी एवं छाउछ लखीमपुर खीरी के विद्यालय में

योग्य खेल प्रशिक्षक हैं। चयनित समस्त विद्यालयों में छात्रों के लिए इनडोर और आउटडोर खेल की सुविधा उपलब्ध है।

निष्कर्ष

इस प्रकार स्पष्ट है कि यदि विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों को ज्ञात कर लिया जाय और उनका भली भांति प्रयोग किया जाय तो निश्चित ही विद्यालय के निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकेगा।

संदर्भ सूची

1. जैन पायल भोला एवं सुखीया एस॰ पी॰ (2018) विद्यालय प्रबन्धन एवं स्वच्छता, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा, पेज नं॰ 49–59।
2. मिश्रा बी॰पी॰ (2008) भारत मे आश्रम विद्यालय समस्या और संभावनाएं , डिसकवरी पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, पेज नं॰ 4–7 ।
3. सक्सेना सरोज (2008) विद्यालय प्रशासन एवं स्वास्थ्य शिक्षा , साहित्य प्रकाशन, आगरा, पेज नं॰ 237–280।
4. http://uptdd.gov.in